2026 में 9 .1% बढ़ेगा औसत वेतन !

टेक और कंसल्टिंग में सबसे कम, रिटेल और लाइफ साइंस में बेहतर बढ़ोतरी

1,400 संगठनों के अध्ययन में सामने आए संकेत

नई दिल्ली, 24 फरवरी. भारत में औसत वेतन वृद्धि 2026 में 9.1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो कि 2025 में 8.9 प्रतिशत थी. यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई.

प्रोफेशनल सर्विसेज फर्म एओन पीएलसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि वेतन वृद्धि इंडस्ट्री के अनुसार अलग-अलग होगी, जिसमें रियल एस्टेट या इंफ्रास्ट्रक्चर और एनबीसीएफसी में क्रमश: 10.2 प्रतिशत और 10.1 प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि होने की उम्मीद है.

रिपोर्ट में कहा गया कि टेक्नोलॉजी, कंसल्टिंग और सर्विसेज इंडस्ट्री की वृद्धि दर सबसे कम 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है. वहीं, ऑटोमोटिव और वाहन निर्माण, इंजीनियरिंग डिजाइन सेवाएं, इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग एवं खुदरा क्षेत्र में भी औसत से थोड़ी अधिक वेतन वृद्धि होने की संभावना है.

खुदरा क्षेत्र के कर्मचारियों के वेतन में औसतन 9.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, जबकि लाइफ साइंस कंपनियों के वेतन में 9.4 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है. वैश्विक क्षमता केंद्रों के वेतन में 9.3 प्रतिशत और फंड एवं एसेट मैनेजनेंट कंपनियों के वेतन में 8.5 प्रतिशत की वृद्धि का पूर्वानुमान है.

कुल मिलाकर, कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की दर 2025 में घटकर 16.2 प्रतिशत हो गई, जो 2024 में 17.7 प्रतिशत और 2023 में 18.7 प्रतिशत थी. यह सभी उद्योगों में कर्मचारियों को बनाए रखने में लगातार सुधार का संकेत देता है.

> रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 1,400 से अधिक संगठनों और 45 उद्योगों को शामिल करने वाले इस अध्ययन में पाया गया कि भारत में नियोक्ता प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और ग्राहक-केंद्रित क्षमताओं को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, क्योंकि बदलते बाजार परिवेश में संगठन विशिष्ट प्रतिभाओं के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं.

ई-पैंट्री मील बुकिंग सेवा ने पाया जोरदार रिस्पॉन्स

नई दिल्ली. भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम ने अपने मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में पैंट्री कार के साथ ई-पैंट्री मील बुकिंग सुविधा शुरू की है, जिसे यात्रियों का भारी समर्थन मिल रहा है. अब टिकट में भोजन शामिल नहीं होने पर भी यात्री अपनी पसंद के भोजन को डिजिटल माध्यम से पहले से बुक कर सकते हैं.

इस सुविधा का पायलट पहले भारत की सबसे लंबी दूरी की ट्रेन, विवेक एक्सप्रेस पर किया गया था और अब यह 25 मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में उपलब्ध है. अप्रैल 2025 से चरणबद्ध रूप से शुरू हुई इस सेवा के तहत अब तक 65,000 से अधिक मील बुक किए जा चुके हैं. ब्रेकफास्ट और डिनर में लगभग 17,000-17,000 बुकिंग हुई हैं, वहीं मॉर्निंग और ईवनिंग टी में 8,000 से अधिक ऑर्डर दर्ज हुए हैं.

यात्रियों के लिए बनाई गई विशेष व्यवस्था

अहमदाबाद मंडल द्वारा 684 स्पेशल ट्रेन ट्रिप्स और अतिरिक्त सुरक्षा सुनिश्चित

अहमदाबाद, 24 फरवरी. आगामी होली पर्व के मद्देनज़र पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा विशेष यात्री प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्थाएँ की गई हैं. त्योहार के दौरान संभावित अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए कुल 684 विशेष ट्रेन ट्रिप्स संचालित किए जाएंगे, जिससे यात्रियों को सुगम यात्रा सुविधा मिल सके.

मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सभी विभागों को प्रभावी प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए. अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के कालूपुर और सरसपुर दोनों ओर होल्डिंग एरिया विकसित किए गए हैं. कालूपुर साइड पर मल्टी मोडल ट्रांसपोर्ट हब का ग्राउंड फ्लोर, पी आर एस कार्यालय के पास का क्षेत्र तथा एलिवेटेड रोड के नीचे का भाग उपयोग में लाया जाएगा. सरसपुर साइड पर बुकिंग कार्यालय के पास और कूली मस्जिद मार्ग की ओर अतिरिक्त स्थान निर्धारित किया गया है. साबरमती रेलवे स्टेशन पर 4,000 से 5,000 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था तथा अलग प्रवेश-निकास द्वार सुनिश्चित किए गए हैं. होल्डिंग एरिया में पंखे, पेयजल व मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध रहेंगी.

अधिकांश होली स्पेशल ट्रेनें प्लेटफॉर्म संख्या 8 से संचालित होंगी. केंद्रीकृत घोषणा प्रणाली को सुदृढ़ किया गया है तथा अतिरिक्त हेल्प डेस्क और टिकट काउंटरों पर पर्याप्त स्टाफ तैनात रहेगा.

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

1068 अंक पर टूटा सेंसेक्स

288 अंक से नीचे रहा निफ्टी

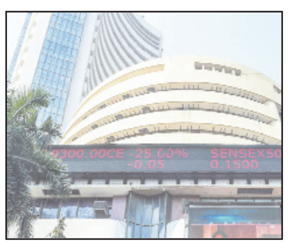

मुंबई: मंथली एक्सपायरी के दिन शेयर बाजार में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिला और अंतत: बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ. कमजोर वैश्विक संकेत, अमेरिकी बाजारों में तेज गिरावट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर बढ़ती आशंकाओं ने निवेशकों की धारणा को झटका दिया.

नतीजा यह रहा कि निफ्टी 288 अंक टूटकर 25424 पर बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 1068 अंकों की बड़ी गिरावट के साथ 82225 पर आ गया.

सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो आईटी इंडेक्स में सबसे अधिक करीब 4.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई. अमेरिकी बाजार में आईटी दिग्गजों पर दबाव और एआई से जुड़ी नई तकनीकों के कारण पारंपरिक आईटी कंपनियों के बिजनेस मॉडल पर खतरे की आशंका ने भारतीय आईटी शेयरों को भी प्रभावित किया. प्रमुख आईटी शेयरों में 3 से 4 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिली.

सोना फिसला, चांदी में जबरदस्त उछाल

सोना करीब 0.65% गिरा और लगभग 1,60,541 प्रति 10 ग्राम

चांदी करीब 0.46% बढ़ी और लगभग 2,66,542 प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली, 24 फरवरी. मंगलवार को कीमती धातुओं के बाजार में दिन की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई. अमेरिकी डॉलर में मजबूती और हालिया तेजी के बाद प्रॉफिट बुकिंग के चलते सोने के दाम फिसल गए.

एमसीएक्स पर अप्रैल डिलीवरी वाला सोना करीब 0.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,60,541 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार करता दिखा. वहीं मार्च डिलीवरी वाली चांदी ने शुरुआती गिरावट के बाद रिकवरी की और 0.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,66,542 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई.

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दबाव देखने को मिला. कॉमेक्स पर सोने का वायदा भाव 1 प्रतिशत से ज्यादा गिरा, जबकि स्पॉट गोल्ड भी कमजोर रहा. हालांकि, इससे पहले सोना तीन सप्ताह के उच्च स्तर तक पहुंचा था, जिससे संकेत मिलता है

> डॉलर इंडेक्स में मजबूती का सीधा असर सोने और चांदी पर पड़ा, क्योंकि डॉलर मजबूत होने से अन्य मुद्राओं के धारकों के लिए ये धातुएं महंगी हो जाती हैं. इसके अलावा अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ संबंधी बयानों ने बाजार में अनिश्चितता का माहौल बनाए रखा है. ईरान के साथ संभावित समझौते की समय-सीमा नजदीक आने से भू-राजनीतिक तनाव भी बना हुआ है, जो सोने की सुरक्षित निवेश वाली छवि को समर्थन दे सकता है. विश्लेषकों के अनुसार, तकनीकी रूप से सोने को 1,60,600 और 1,58,800 रुपए के स्तर पर सपोर्ट मिल सकता है, जबकि 1,63,300 और 1,65,000 रुपए पर रेजिस्टेंस देखने को मिल सकता है. चांदी के लिए 2,61,000 और 2,56,600 रुपए अहम सपोर्ट जोन हैं, जबकि 2,70,000 और 2,78,000 रुपए पर रेजिस्टेंस है.

समुद्र की गहराइयों पर अब 'अंजदीप' की नजर

चेन्नई. भारतीय नौसेना अपनी समुद्री सुरक्षा रणनीति को और सुदृढ़ करने के लिए लगातार उन्नत और स्वदेशी प्लेटफॉर्म शामिल कर रही है. 'अंजदीप' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. यह एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट विशेष रूप से तटीय क्षेत्रों और उथले समुद्री इलाकों में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने, ट्रैक करने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें नष्ट करने के लिए तैयार किया गया है.

'अंजदीप' आधुनिक एंटी-सबमरीन रॉकेट लॉन्चर, लाइटवेट टॉरपीडो, 30 मिमी नेवल गन और एडवांस्ड एएसडब्ल्यू कॉम्बैट सूट से लैस है. इसके साथ ही इसमें हल-माउंटेड सोनार और लो-फ्रीक्वेंसी वैरिएबल डेप्थ सोनार जैसे अत्याधुनिक सेंसर लगे हैं.

10 प्रतिशत तक महंगी हो सकती हैं छोटी कारें

ईंधन दक्षता के नए नियमों से कंपनियों की बढ़ेगी लागत

मडिल क्लास और पहली बार कार खरीदने वाले ग्राहकों पर असर पड़ेगा.

नई दिल्ली, 24 फरवरी. सरकार कॉर्पोरेट औसत ईंधन दक्षता के तीसरे चरण मानकों को लागू करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है.

इन मानकों के तहत कार कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी बेची गई गाड़ियों का औसत माइलेज तय सीमा के भीतर रहे और कार्बन उत्सर्जन नियंत्रित स्तर से अधिक न हो. यदि कोई कंपनी इन मानकों को पूरा नहीं करती, तो उसे भारी जुर्माना भरना पड़ सकता है. नए ड्राफ्ट में छोटी कार निर्माताओं को मिलने वाली अतिरिक्त छूट खत्म करने का प्रस्ताव है. अब तक कम इंजन क्षमता और हल्के वजन वाली कारों को कुछ राहत मिलती थी, जिससे उनकी कीमतें किफायती बनी रहती थीं. लेकिन यदि यह छूट समाप्त होती है, तो कंपनियों को नई तकनीक अपनानी होगी - जैसे उन्नत इंजन, हाइब्रिड सिस्टम या बेहतर फ्यूल मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी. ये सभी तकनीकें महंगी हैं और इनके इस्तेमाल से उत्पादन लागत बढ़ेगी.

> उद्योग जगत का मानना है कि इस लागत वृद्धि का बोझ अंतत: ग्राहकों पर डाला जाएगा. अनुमान है कि छोटी कारों की कीमतों में करीब 10 फीसदी तक बढ़ोतरी संभव है. इससे खासकर मिडिल क्लास और पहली बार कार खरीदने वाले ग्राहकों पर असर पड़ेगा. हालांकि, प्रस्तावित नियमों में इलेक्ट्रिक वाहनों और रेंज-एक्सटेंडर हाइब्रिड वाहनों को प्रोत्साहन देने का प्रावधान है. ऐसे वाहनों को 'सुपर क्रेडिट' दिया जाएगा, जिससे कंपनियों को अपने कुल औसत उत्सर्जन को संतुलित करने में मदद मिलेगी.

इंडिगो स्पेशल सेल- किराया 1,999 से !

नयी दिल्ली, 24 फरवरी निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने मंगलवार को अपनी सीमित अवधि की सेल 'स्प्लैश इंटू सेविंग्स' पेश की जिसमें चुनिंदा घरेलू मार्गों पर सभी शुल्क सहित एकतरफा किराया 1,999 रुपये से शुरू होगा.

यह सेल 24 फरवरी से 27 फरवरी तक की बुकिंग पर इस साल 03 मार्च से 30 सितंबर तक की यात्रा के लिए मान्य होगी. बुकिंग यात्रा की तारीख से कम से कम सात दिन पहले करानी होगी. नॉन-स्टॉप तथा कनेक्टिंग उड़ानों के लिए भी ऑफर उपलब्ध है.

'स्प्लैश इंटू सेविंग्स' के तहत घरेलू मार्गों पर एक तरफ का किराया 1,999 रुपये से और अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर 4,699 रुपये से (सभी शुल्क सहित) शुरू होगा. चुनिंदा घरेलू मार्गों पर इंडिगो स्ट्रेच किराये 9,999 रुपये से उपलब्ध हैं. किराये के अलावा सेल अवधि के दौरान चुनिंदा अतिरिक्त सेवाओं पर भी छूट दी जा रही है. इनमें फास्ट फॉरवर्ड सेवाओं पर 70 प्रतिशत तक की छूट शामिल है. प्री-पेड अतिरिक्त बैगेज पर 50 प्रतिशत तक और चुनिंदा घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय सेक्टर्स में स्टैंडर्ड सीट चयन पर 15 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध है.

कमर्शियल व्हीकल बिक्री में 27% की छलांग

नई दिल्ली, 24 फरवरी. आईसीआरए की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी में कमर्शियल व्हीकल सेक्टर ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया. थोक बिक्री में 27 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई, जबकि दिसंबर 2025 के मुकाबले 1.9 प्रतिशत की क्रमिक बढ़ोतरी देखी गई. मीडियम और हैवी कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट ने विशेष रूप से अच्छा प्रदर्शन किया. जनवरी में इस सेगमेंट की रिटेल बिक्री में सालाना 15.4 प्रतिशत और क्रमिक आधार पर 22.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई.

हाईवे की गुणवत्ता जांच अब ऑन-द-स्पॉट

नई दिल्ली, 24 फरवरी. देश में बुनियादी ढांचे के विस्तार के साथ राजमार्ग निर्माण की रफ्तार तेज हुई है. ऐसे में गुणवत्ता सुनिश्चित करना बड़ी चुनौती बन गया है.

इसी को ध्यान में रखते हुए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने मोबाइल गुणवत्ता नियंत्रण वैन की शुरुआत की है. ये वैन अत्याधुनिक उपकरणों से लैस हैं और सीधे निर्माण स्थल पर पहुंचकर जांच कर सकती हैं. इन वैन में अल्ट्रासोनिक पल्स वेलोसिटी मीटर, रिबाउंड हैमर, एस्फाल्ट डेंसिटी गेज, लाइट-वेट डिफ्लेक्टोमीटर और रिफ्लेक्टोमीटर जैसे उपकरण लगाए गए हैं.

रिबाउंड हैमर कंक्रीट की सतह की कठोरता मापता है, जबकि अल्ट्रासोनिक उपकरण कंक्रीट के भीतर की दरारों और कमियों का पता लगाता है. एस्फाल्ट डेंसिटी गेज सड़क की परत की सघनता सुनिश्चित करता है, जिससे सड़क की उम्र बढ़ती है.

समाचार विशेष

कोई पार्टी लगातार 2 बार नहीं जीत सकी

कोलकाता. खड़गपुर सदर पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में स्थित एक जनरल कैटेगरी का विधानसभा क्षेत्र है. यह मेदिनीपुर लोकसभा सीट के सात विधानसभा हिस्सों में से एक है. यह क्षेत्र दो प्रमुख वजहों से देशभर में प्रसिद्ध है, जिनमें से एक यहां स्थित भारत का पहला इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी खड़गपुर), जो विज्ञान, इंजीनियरिंग और रिसर्च का प्रमुख केंद्र है.

वहीं, दूसरा विश्व के सबसे लंबे रेलवे प्लेटफॉर्मों में से एक वाला खड़गपुर रेलवे जंक्शन, जो पूर्वी भारत के साथ-साथ पूरे देश की यात्री और माल ढुलाई का महत्वपूर्ण केंद्र है. खड़गपुर सदर का चुनावी इतिहास काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है. नाम और सीमाओं में बार-बार बदलाव हुए हैं. 1951 में यह खड़गपुर नाम से अस्तित्व में आया. 1957 में खड़गपुर लोकल (दो सदस्यीय) बना, जो 1962 में एकल सीट हो गया. 1977 में खड़गपुर लोकल समाप्त कर खड़गपुर रूरल और खड़गपुर अर्बन दो नई सीटें बनीं. 2009 के परिसीमन के बाद 2011 से वर्तमान खड़गपुर सदर अस्तित्व में आया, जिसमें सभी वोटर खड़गपुर म्युनिसिपैलिटी और खड़गपुर ब्लॉक के रेलवे सेटलमेंट क्षेत्र से हैं. अगर चुनावी इतिहास की बात करें तो पुराने दौर में (1951-1972) कांग्रेस ने चार बार जीत दर्ज की, जबकि सीपीआई (एम) ने तीन बार. 1977-2006 तक कांग्रेस ने छह बार जीत हासिल की, जबकि जनता पार्टी ने 1977 में एक बार जीता. 2011 से स्थिति बदल गई. कोई पार्टी लगातार दो चुनाव नहीं जीत पाई.

2011 में कांग्रेस के ज्ञान सिंह सोहनपाल ने सीपीआई के अनिल कुमार दास को 32,369 वोटों से हराया (तृणमूल कांग्रेस के साथ गठबंधन था). 2016 में भाजपा के दिलीप घोष ने सोहनपाल को 6,309 वोटों से हराया, तृणमूल तीसरे स्थान पर रही.

भाजपा ने 2014 के बाद मजबूत पकड़ बनाई

लोकसभा सेगमेंट में भाजपा ने 2014 के बाद मजबूत पकड़ बनाई. 2024 लोकसभा में भाजपा ने तृणमूल पर 21,906 वोटों की बढ़त बनाई (2019 में 45,132 थी). लेफ्ट फ्रंट की मौजूदगी अब करीब 5 प्रतिशत तक सिमट गई है. 2024 में रजिस्टर्ड वोटर 2,39,710 थे. यहां की जनसांख्यिकी विविध है, यही कारण है कि यहां पर कोई एक समुदाय निर्णायक नहीं. क्षेत्र पूरी तरह शहरी है, जिसमें रेलवे टाउनशिप, आईआईटी कैंपस और म्युनिसिपल एरिया शामिल हैं. इकोनॉमी रेलवे, आईआईटी से जुड़ी गतिविधियां, और छोटे-मध्यम उद्योगों पर निर्भर है.

कांग्रेस को झामुमो-भाजपा गठबंधन का डर क्यों?

सत्ता की राजनीति सच में बदलेगी या फिर सिर्फ बुलबुला मात्र

रांची. झारखंड की राजनीति में कुछ हो ना हो, लेकिन बातें बहुत होती रहती हैं. हर छह महीने में यह बात जरूर सामने आती है कि कहीं राज्य की राजनीतिक संरचना बदलने तो वाली नहीं है. मसलन जेएमएम कहीं बीजेपी के साथ सरकार तो नहीं बना लेगा. कांग्रेस के दिग्गजों को भी इस बात का डर सताते रहता है.

खासकर इन सब बातों को ज्यादा बल तब मिलता है, जब हेमंत सोरेन किसी काम से दिल्ली की यात्रा पर होते हैं. लेकिन इस बार बिना हेमंत सोरेन के दिल्ली गए ही, कई तरह की बातें हो रही हैं. दरअसल पिछले हफ्ते ऐसी तीन घटनाएं घटी जिससे एक बार फिर से चर्चाओं का बाजार गर्म है. इन घटनाओं पर जरा गौर फरमाया जाए.

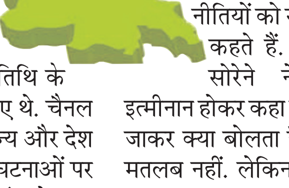

हेमंत ने बताया राहुल गांधी की विदेश नीति को गलत- रांची में एक निजी चैनल का कार्यक्रम हो रहा था. हेमंत सोरेन उस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने गए थे. चैनल के एंकर ने हेमंत से राज्य और देश में हो रही राजनीतिक घटनाओं पर चर्चा की. लेकिन हेमंत ने एक सवाल का जवाब ऐसा दिया, जिससे कांग्रेस की किरकिरी हुई. दरअसल एंकर ने सवाल किया कि राहुल गांधी जब विदेश दौरे पर होते हैं तो देश की नाजनीतिक स्थिति के बारे सरेआम बोलते दिखते हैं. यहां तक कि वो विपक्ष की नीतियों को सरेआम गलत कहते हैं. इसपर हेमंत सोरेने ने बड़े ही इत्मीनान होकर कहा कि कौन कहां जाकर क्या बोलता है, उससे मुझे मतलब नहीं. लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता.

> **त्रिपाठी का सनसनीखेज बयान**
>
> 13 फरवरी को मेदनीनगर में केएन त्रिपाठी ने एक ऐसा बयान दिया. जिसने कुछ देर के लिए झारखंड की राजनीति में हलचल सी ला दी. उन्होंने एक पत्रकार से ऑन रिकॉर्ड कहा कि निकाय चुनाव के बाद जेएमएम बीजेपी में मर्ज कर जाएगा. उन्होंने यह भी दावा किया कि इस मर्जर के लिए अमित शाह की अनुमति भी मिल चुकी है. केएन त्रिपाठी ने कहा कि जेएमएम का झुकाव हमेशा बीजेपी की तरफ रहता है. सत्ता पाने के लिए जेएमएम भले कांग्रेस के साथ गलबहिया कर लें.

हरियाणा से पंजाब पर होगी नजर

चंडीगढ़. हरियाणा की दो राज्यसभा सीटों का चुनाव बहुत दिलचस्प होने वाला है. ध्यान रहे हरियाणा में कई बार उलटफेर हो चुका है.

कांग्रेस आलाकमान के उम्मीदवार अजय माकन कांग्रेस की विधायक किरण चौधरी की कथित क्रॉस वोटिंग के कारण हार गए थे. बाद में किरण चौधरी भाजपा में चली गईं और अजय माकन दूसरे राज्य से राज्यसभा गए. उससे पहले भी आरके आनंद चुनाव हारे थे, तब कांग्रेस के सभी विधायकों का वोट रहस्यमय तरीके से अवैध हो गया था. बहरहाल, किरण चौधरी रिटायर हो रही हैं. उनके अलावा रामचंद्र जांगड़ा रिटायर हो रहे हैं.

हरियाणा के पड़ोसी राज्य पंजाब में अगले साल के शुरू में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. इसलिए कहा जा रहा है कि भाजपा की कोशिश होगी कि वह हरियाणा से ऐसे नेता को राज्यसभा भेजे, जिससे पंजाब के चुनाव में उसे कुछ फायदा होगा. ध्यान रहे भाजपा पंजाब में किसी तरह से सिख वोट साधने की कोशिश कर रही है.

विशेष नए चेहरों को मौका देने की तैयारी

पुराने विधायकों के टिकट पर खतरा

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी पारा चढ़ने लगा है. सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस यानी टीएमसी ने उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है और संकेत मिल रहे हैं कि इस बार पार्टी बड़े और चौंकाने वाले फैसले ले सकती है.

चर्चा है कि कई अनुभवी मंत्रियों और विधायकों की सीटें बदली जा सकती हैं, तो कुछ का टिकट भी कट सकता है. सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कोलकाता स्थित कालीघाट

आवास पर दो दौर की अहम बैठकें हुईं. इन बैठकों में संभावित उम्मीदवारों, सीटों के फेरबदल और संगठनात्मक रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई. पार्टी इस बार नए चेहरों के साथ अनुभवी की रणनीति पर काम कर रहा है. यानी पुराने दिग्गजों और नए उम्मीदवारों के बीच संतुलन बनाना. सूत्रों का कहना है कि कुछ वरिष्ठ मंत्रियों और लंबे समय से एक ही सीट से चुनाव जीत रहे विधायकों को नई सीट से उतारा जा सकता है. इसके पीछे मकसद एंटी-इनकम्बेंसी को कम करना और स्थानीय स्तर पर नई ऊर्जा भरना बताया जा रहा है. कुछ विधायकों को दोबारा टिकट न देने पर भी मंथन हुआ है. ऐसे नेताओं को संगठन में बड़ी जिम्मेदारी देकर पार्टी संरचना मजबूत करने की योजना है.

सेलिब्रिटी और प्रोफेशनल चेहरों पर नजर- बैठकों में इस बात पर भी चर्चा हुई कि इस बार टीएमसी की सूची में सेलिब्रिटी, मीडिया और प्रोफेशनल पृष्ठभूमि से जुड़े नए चेहरे शामिल किए जा सकते हैं. पार्टी का मानना है कि बदलते राजनीतिक माहौल में यह जरूरी है. पिछले चुनावों में भी टीएमसी ने फिल्म और कला जगत से जुड़े चेहरों को मौका दिया था. इस बार भी ऐसी रणनीति दोहराई जा सकती है.

> **क्या होगा बड़ा उलटफेर?**
>
> राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर टीएमसी बड़े पैमाने पर सीट बदलती है या टिकट काटती है, तो इससे पार्टी के अंदर असंतोष भी उभर सकता है. लेकिन ममता बनर्जी का नेतृत्व अब तक ऐसे फैसलों को संभालने में सक्षम रहा है. पश्चिम बंगाल में मुकाबला सीधा टीएमसी और बीजेपी के बीच माना जा रहा है. ऐसे में उम्मीदवार चयन ही चुनावी दिशा तय करेगा. फिलहाल संकेत साफ हैं टीएमसी इस बार परंपरागत राजनीति से अलग रणनीति अपनाने जा रही है. आने वाले दिनों में उम्मीदवारों की पहली सूची के साथ सियासी तस्वीर और साफ होगी.

राज्यसभा चुनाव की भी तैयारी- इसी बीच 16 मार्च को पश्चिम बंगाल की पांच राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले चुनाव पर भी रणनीति तैयार की जा रही है. विधानसभा में संख्या बल के आधार पर टीएमसी कम से कम चार सीटें जीतने की स्थिति में है, जबकि भारतीय जनता पार्टी को एक सीट मिलने की संभावना है. टीएमसी चार सीटों में से तीन पर पार्टी नेताओं को भेज सकती है, जबकि एक सीट पर गैर-राजनीतिक लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत नेटवर्क वाले चेहरे को मौका दिया जा सकता है.